भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर

विश्व हिंदी दिवस-2017 एक रिपोर्ट

भौतिकी संस्थान, भुवनेश्वर में दिनांक 10 जनवरी, 2017 को विश्व हिन्दी दिवस मनाया गया। इसका मुख्य उद्देश्य है, विश्व में हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए वातावरण निर्मित करना, हिन्दी के प्रति अनुराग पैदा करना, हिन्दी की दशा के लिए जागरूकता पैदा करना तथा हिन्दी को विश्व भाषा के रूप में प्रस्तुत करना है। विश्व में हिन्दी का विकास करने और प्रचारित- प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई और प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10 जनवरी, 1975 को नागपुर में आयोजित हुआ था इसीलिए इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान मंचासीन अतिथिगण श्री राम किशोर शर्मा (बाएं) मुख्य वक्ता, प्रो. सुधाकर पण्डा, निदेशक और श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार

कार्यक्रम में संस्थान के संकाय सदस्यगण, कर्मचारीगण और छात्रगण उपस्थित थे । उपस्थित श्रोताओं को श्री भगबान बेहेरा, वरिष्ठ हिंदी अनुवादक ने स्वागत किया । प्रो. सुधाकर पण्डा, निदेशक ने अपने संबोधन में विश्व में हिंदी की बढती मांग के बारे में बताया और यह भी बताया कि हिंदी के साथ साथ मातृभाषा को बढाने के लिए भी काम करना चाहिए । श्री ऋषि कुमार रथ, रजिस्ट्रार तथा

अध्यक्ष, राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने अपने संबोधन में राजभाषा को बढाने के लिए भरसक प्रयत्न करने के लिए सभी से अनुरोध किया । यह भी कहा कि प्रारंभिक स्तर पर सबसे पहले कार्यालय में नोटिंग से हिंदी का काम आरंभ होना चाहिए ।

विश्व हिंदी दिवस कार्यक्रम के दौरान सभागार में उपस्थित श्रोतागण

मुख्य वक्ता के रुप में श्री राम किशोर शर्मा, सहायक निदेशक, विकलांग पुनर्वास केंद्र, भुवनेश्वर उपस्थित थे। श्री शर्मा ने **दिव्यांगों का पुनर्वास** शीर्षक पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया। श्री शर्मा ने दिव्यांगों के लिए बनी अधिनियम के बारे में संसद से लेकर कार्यालयों में दी जा रही सुविधाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की । दिव्यांगों के लिए बनी विभिन्न योजनाओं के बारे में भी संक्षिप्त जानकारी प्रदन की ।

अंत में उपस्थित अतिथियों और श्रोताओं को धन्यवाद प्रदान किया गया ।